

अधिगम को

प्रभावित करने वाले कारक

07

अधिगम को प्रभावित करने वाले अनेक कारक हैं जिसमें सीखने में या अधिगम में बाधा उत्पन्न होता है। जिससे विकास की प्रक्रिया बाधित होती है ये कारक निम्न प्रकार हैं

① वृद्धि : सभी बालकों में समान वृद्धि नहीं होती जिससे सीखने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है। बच्चों की वृद्धि तीव्र होती है कुछ की मन्द गति वृद्धि वाले बच्चे जल्दी सीखते हैं और जल्दी ही धीमी गति से सीखते हैं। जिससे प्रभाव अधिगम पर पड़ता है

② आयु - आयु भी अधिगम में महत्वपूर्ण भूमिका निरूत करती है कम उम्र में अधिगम की गति धीमी होती है परन्तु जल्दी अधिगम करती हैं आयु बढ़ी होने लगती है बालक जैसे जैसे बड़ा होता है वे वे सीखने की प्रक्रिया भी बढ़ती है और कई पाठ जल्दी सीखता है लेकिन कम उम्र के बालक जो धीमी गति से सीखते हैं और जो सीखते हैं वो जल्दी भूल जाते हैं निरन्तर कम अधिगम नहीं कर सकते हैं अतः उम्र अधिगम प्रभावित करती

③ स्वास्थ्य : जो बाल स्वस्थ होता है उसे सीखने की क्षमता होती है वह अधिगम को कर सकता है वह सीखना तथा उसे सीखना तथा स्वस्थ बाल

अगर मासूम रहते हैं वे अंगर
 लीखने का प्रयास भी करते हैं
 नहीं लगता है शारीरिक एवं मानसिक
 दोनों रूप में कमजोर होते हैं जिससे
 लीखने में इमान नहीं लगता।

IV अभिज्ञमता :- इसी बालक में अलग
 अलग समता होती है। कुछ अभिज्ञम
 जन्मजात जन्मजात होती है। कुछ
 विकसित किया जाता है। जैसे कुछ
 बालक जन्म से ही कुछ खास प्रिया
 लकर पैदा होते हैं जिससे आशय
 डाय ~~अ~~ विकसित किया जाता है
 माना कोई बालक अक्षु जाता
 है उलका स्वर भी मधुर है नव
 उरे संगीत का प्रतिभवंत देकर सर
 क्त ज्ञान दिशा प्राप्त जिससे बालक
 संगीत में निपुण हो जाय। इव लिए
 जिस बालक जिनकी आधिक आनममता
 होगी वह उचना आधिक शीघ्र
 अधिगम होगा

V तत्परता :- बालक में लीखने की तत्परता
 नहीं है तब बालक को अधिगम में
 बाधा आएगी निसी लखित या
 बालक को लीखने के लिए रुसाह
 या तत्परता होगी चाहिए जिससे
 अधिगम बेजी से हो अगर बालक में
 लीखने की इच्छा नहीं होगी तब
 तब बालक नहीं लीखेगा।

अधिगम को

प्रभावित करने वाले कारक

07

अधिगम को प्रभावित करने वाले अनेक कारक हैं जिससे सीखने में या अधिगम में बाधा उत्पन्न होती है। जिससे विकास की प्रक्रिया बाधित होती है ये कारक निम्न प्रकार हैं

1. वृद्धि - सभी बालकों में समान वृद्धि नहीं होती जिससे सीखने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है। बच्चों की वृद्धि तीव्र होती है। कुछ की मन्द गति वाली बच्चे जल्दी सीखते हैं और कुछ बाल धीमी गति से सीखते हैं। इस प्रकार प्रभाव अधिगम पर पड़ता है।

2. आयु - आयु भी अधिगम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कम उम्र में अधिगम की गति धीमी होती है परन्तु जैसे जैसे आयु बढ़ती है अधिगम करने की क्षमता भी बढ़ती है। बालक जैसे जैसे बड़ा होता है उसे सीखने की प्रवृत्ति भी बढ़ती है। कोई पाठ जल्दी या धीरे धीरे लेना कम उम्र के बालक को धीमी गति में सीखने में और जो सीखते हैं वे भी जल्दी थक जाते हैं जिससे कम अधिगम ही कर सकते हैं। अतः उम्र अधिगम को प्रभावित करती है।

3. व्यक्तित्व - जो बाल स्वस्थ होता है उसे सीखने में सफलता होती है। यदि बालक असुखी हो कर सीखता है तो वह सीखना तथा समझना में सफल नहीं हो पाता।